**EXAM - PAPER (CBSE/NCERT)** 

#### PRACTICE SET -2

**SESSION -2024-25** 

CLASS - 10th

# JOIN TODAY FOR ADVANCE CONCEPTS ONLY IN ₹2000 PER MONTH

MRP: ₹ 100/- ONLY

ALSO, BASIC CONCEPTS CLASSES IN SUMMER VACATION Apr, May & Jun (Every Year)

Time: 3:00 has.

(E-9) -2 (1015)

mm '

(1.1. यही (वक्त्य) का न्यमन कर (लेकिए -

(1) वाल गोबिन भगत साहहा मानते थे -

(ब) शुरदामं (ब) तुलमीदाम

(स) नामाणून (द) केबीर



(11) वह धीर - धीर न्यलने लगा । इस वान्य में किया -

(विश्वामा का भेड़ ह -

(अ) पीरमाणवान्यक (ब) शीरिवान्यक

(मा श्यानवानक) (दे। कालवानक)

(iii) वालक तार्के अवर्नाय को असके पिता टीका लगार्त थे -

(अ) -पदन का (ब) बोली का

(म) भभूत का (द) कुमकुम का।



(७) बीतिकाल के कवि थे -

(व) भैवव. (व) तमशंका त्रेयार.

(स) जगभारमे (मेह (दें) उद्योग

ल उसवें बस का नाम है -

(अ) भूगार (ब) वीट

(स) भमानक (ह) पाटसल्य

1

ी. रे. विकत स्पानों में सहीं विकत्य का पमन का लिखिए -

(1) सार्व के - अंद हार्त है। (3/2/4)

(ग) (हमालम की तीलरी सबते कड़ी चौटी क्टर है। (एवरेस्ट) कंचनाज्या (माउँट एवरेस्ट)

[111] श्ररदाम के -- गुका थे। (वल्लमामा / परब्रासम / रामदाख)

(10) न्योपाई हिंद की प्रत्येक पान्त में - नाजाएं होती है। (11/16/21)

(v) प्रवंदा काला के ... भेर होते हैं। (3/5/2)

(७) यतिमा वनाने वाले का नाम -- था । ( 2माममोहन / भोतीलाल)

ही. ३. शही जोड़ी भिलाकां (मार्खिए -

(ग) गय की प्रमुख बिह्यांगें (अ) जमशंका उत्ताद

(11) लखनवी अदाज

(iii) अंदो की लाडी.

(1) में क्यों (अव्वता हूँ।

(१) काममावी

(N) भानवीं (क्रमाओं का आरोप

(ब) भामवीक()

(म) (नब्रं

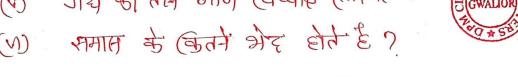
(ह) किमान सहारा

(ই) শহাণাল

(ई) उद्धार

(3D) JH195

- Q.4. एक वाक्य में उत्तर लिखिए' -
  - (i) "एक अनार मी बीमार " का अर्थ (मेलिए)
- (ii) भोलेनाथ के (पताकी गंगा में आहे की कितनी गोलिमों प्वाहितं करते थे ?
  - (गां) कवि (माला मे वादलों की तुलना किसमें ही है?
  - (10) रम के कतरे अंग होते हैं?
  - (७) गयं की तीन भोगं विद्याएं लिखिएं।



- ही . इ. सत्म / असत्य न्यनं न्यां (नोर्वरं -(1) जीजीता न जा लके उसे अन्नेम कहते हैं।
  - (11) येमां ट्हील की धुमाने से पाप नहीं ह्युत्नते हैं। इंडिंड देव
  - (गा) (हरोब्रीमा में परमान बम निरा था।
  - (७) मुला गामक के लग पहान जैसे भारी और गंभीर की
  - (७ दोहां एक सममात्रिका हुई है।
  - (M) अगदमी ने पहले पहले आगं का आवेष्णा किमा था।
- (1.6, 'भरापाल ' अधवा मन् भण्डारी जी की माहित्यिक परिचम निम्नं बिद्भों पर लिखिए' -
  - (1) दो अचनाएँ (11) भाषा-श्रीली

6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

बनों कहते थे ? अंधवा

इस आत्मक्या में लेटिकां के पता ने श्मीई को भीटिमार्याना कहला क्यों संबोधित किया है ?

(1.8. शहनाई की इनिया में इमराँव की कर्यों भाद किया जाता है? अथवा वास्तिविक अर्थी में 'संस्कृत व्यावत 'किसे कहा जा सकता है?

9.9. निष्नानिष्य मुहावरों का अर्थ (लेखकर वाक्य में प्रमोग कीजिय -

(i) खून - पतीना एक करना ।

(गं) दाल न अलना । अधवा



(लाट्विए - (1) पनंचवरी (11) बीत्माम्बर

(१.10. भोलानार) और उत्तर्भ भाषियों के खेल और खेलने ही भामज़ी आपके खेल और खेलने की मामज़ी से किम जनार अल है ?

अग्व)

लेखक ने अपने आपकों हिरोक्षीमा के विस्फोट का भोवता कव और किम तरह भहतूस किमा ?

ि.।। भगायवाद काला की अवल ने विशेषतांग (मेलिए-

शातकाल की कोई दो विश्वासतां (अविर । दिल्लमाक



ि. १८. भूरदाम अधवा नागाजून ही कालागत विशेषनाएँ निम्नं बिनुक्षां पर (त्राविरं।

(i) दी बन्नाएँ (ii) मान पश्च । इंड क देश

त्र . 13 कार्व आत्मक्यां (लेखने से नामें क्यां क्यां चाहतां है?

परक्षरामं के की बा करने प् लहमा ने बानुष के इट जाने के लिए कीन कीन से तर्न दिए?

ी 14. कार्वता का श्रीसक उत्साह क्यों रखा अया है? अंथिन)

भंगतकार के भारतमा से किस प्रकार के व्यक्तिमों की ओर संकेत करना चाह रहा है ?

6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

अंगा, रस किए कहप हु । उदाहरों भाहप (भाव्वित, 1 अनिवा, अन्निवा,

अण्यां करते हैं। अदाहरण भारता (मार्ककः। अण्यां

अन्मोन्त अलकार किने कहते है १ अदाहर्ष माहत लिखिए।

्राणानीत्र और संस्मरण में कोई दी अंतर लिखिए। अवानीत्र और संस्मरण में कोई दी अंतर लिखिए।

त्र निम्नामिकित अद्यांश की अप्रसंग त्यांक्या (तार्विम - मृति अंगमरमर की भी। शेपी की नोंक से कोट के हमरे वहन तक कोई की फुट डेंची। जिसे कहते हैं वस्ट। अरेट शुंदर भी। नेताजी सुन्त लग वह थे। कुछ - कुछ मासूम ऑट कमारीन। जीजी वदी में। स्राती को देखते ही 'दिल्ली' न्यंनो ' ऑट तुम सुझे खुन को ... ' वगेरह भाद आने' लगते थे। इस हिए से यह सफल और सराहनीण प्रमास था अंग्वा

6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

भह पितृ - गाधा में इसलिए नहीं गा वहीं कि मुझे उनका औरव गाम करना है। वाल्के में तो यह देखना -वाहती हैं कि उनके अमितव की कीन नी, श्रुवी और शामिगों मेरे वान्तित्व के ताम - बान में गुंची हुई है भा कि अनजाने - अनजाह किए उनके व्यवहार में भेरे भीतर किन गांधीयों को जन्म दे दिमा है।

3.19. 'भी ही बोली का महत्य' 'विषय पर अनु स्टूट लाक्य'।

बह्ती महंगाई के सम्बंद्धा में भूष्टक और (क्राना दुकान के मालिक के महार्थ संवाद लिखिए।

त्र २०. मिनाहि स्वत पयांत्रा की भणमा आक्रमा की पित्र ।

हमारें हरि हारिल की लक्षी ।

मन क्रम बचन नद -नंदन उर मह इक कीर पकरी ।

जगत भोवत स्वप्न दिवल -लिल का कान्ह जकरी ।

सुनत जोग लागत है ऐसी, ज्मी कक्ष किकरी ।

सुन तें ज्माही हमकी है आए, देखी सुनी न करी ।

अह ती 'मुद्र' तिनाही ही भीषी, जिनके मन चकरी।

अह ती 'मुद्र' तिनाही ही भीषी, जिनके मन चकरी।

भद्यप गुन - गुना कर कह जाता कौन कहानी भद्द अपनी।

6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

मुरझाकर (गर रही' पातियों देखों (कतन) आण धानी। विस गंभीर अनंत - नीलिका में असंख्या जीवन इतिहास भह सो , करते ही शहते हैं अपना व्यंग्य मालिन उपहास।

है. श नगरपालिका अंद्यशं को मोहत्वं की निममित भणाई के अयवां अयवां

अपने मित्र को अपने भाई की भादी में साम्मालित होने के

- ति . २२. निम्नां मित विषमी में में किमी एक विषम पर् निष्य अपरेखा रेखा महित (लोखिए -
  - (1) प्रमान्य भूड्सन
  - (1) वर्तमान समय में कम्पूर की उपमोशिता
  - (11) विकान की प्रमाति का मानव जीवन में महत्व,
  - (७) जीवनं में खेलों का महत्व।

(१) - कभी लक्म वहुत इर हिलाई पहता है। संदेह होने

6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

लगता है कि इस लहम को प्राप्त कर लंगे मा नहीं | कर्म वार लहम प्राप्त के लिए अनेक प्रमास करने पर भी असफलता मिलती है। इसने मन में निरान्ना का भाव आगृत हो जाता है। अन्ना अल्लाहत करती है। निरान्ना का भाव अने होता है। आग्ना अल्लाहत करती है। निरान्ना का भाव अने होता है। अग्नुरहां। का भाव आता है। तनावों का वंवड़ा आ जाता है। मन में निरान्ना नहीं आज्ञा को बसाना नाहिए। जो लोग जीवन में आज्ञावादी वहते है वही विपरित परिक्षितिमों में भी लक्ष्म प्राप्ति में समूत्र है। सम्में ही सम्में सम्में सम्में सम्में ही सम्में ही सम्में ही सम्में सम्में ही सम्में सम्में सम्में सम्में ही सम्में ही सम्में स्में ही सम्में समें सम्में समें सम्में सम्में समें सम्में समें सम्में सम्में समें सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में समें सम्में समें सम्में समें सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में सम्में समें सम्में सम्में समें सम्में समें

927: -

(i) अयांश का शिर्क (लाक्य ।

(ग) (नेराश्चा का भाव कर्यों जामृत होता है ?

(m) मन में आशा का भाव क्यों बनाम शवना नाहिए ?

अमं होता भवतं अमूला धन , सव अन्दित सुर्व जमाते । अव अन्दित सुर्व जमाते । अना प्रान प्रान नहीं खुळ होता , होते मात्रं मनुज ही । अग्रम लेखं होता न मनुज जा , होता स्मीट भुज ही ।

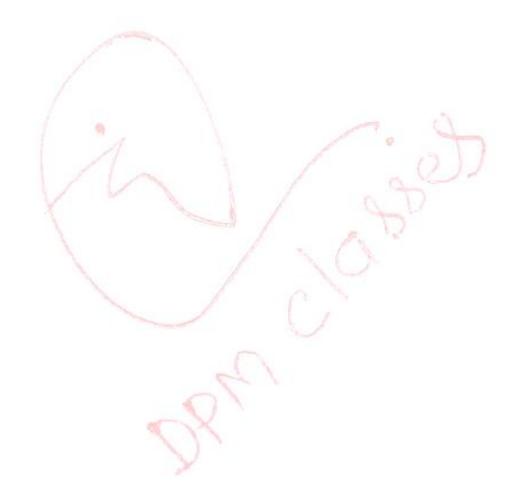
6th to 10th (Math's & Science), 11th & 12th (Physics, Chemistry, Math's)

पुत्रनाः -

- (i) इत पयांत्रा का शिषक (लाविए।
- (11) अम को कित ने कैसा धान कहा है?
- (111) 'शामा प्रमा' कुछ नहीं होता ' ते किसे का नेपा आश्राम्ह १



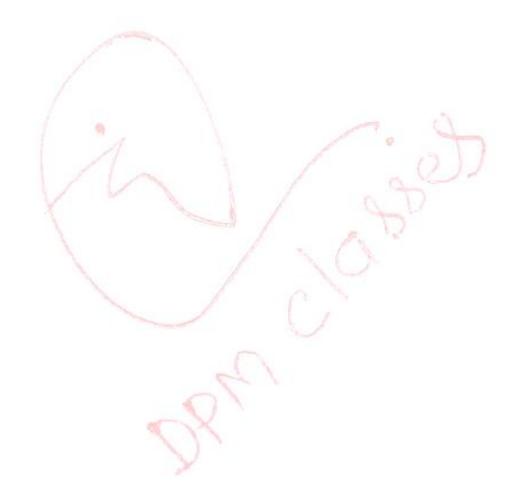
## DPM CLASSES



#### DPM CLASSES



# DPM CLASSES



# DPM CLASSES

